SONAM BALA
(DEPT. OF GEOGRAPHY)
A.N.D. COLLEGE, SHAHPUR PATORY, SAMASTIPUR

24th MAY 2020
SUNDAY

FOR B.A. – II (Hons)
PAPER – 3, GEOGRAPHY OF INDIA & BIHAR

LECTURE – 52

UNIT – 3 IRON & STEEL INDUSTRY IN INDIA — 2

भारत में लौह-इस्पात उद्योग — ②

भारत में निम्न लौह-इस्पात उद्योग हैं—

टाटा लौह-इस्पात कंपनी (TISCO) → टाटा लौह-इस्पात मुंबई-कोलकता रेलवे मार्ग के बहुत निकट स्थित है। यहाँ के इस्पात के निर्यात हेतु सबसे नज़दीक पत्तन कोलकाता है, जो लगभग 240 km दूर स्थित है। इस लौह-इस्पात कंपनी को कोककारी कोयला झरिया और पश्चिमी बोकारो कोयला क्षेत्रों से, कोयला जोड़ा खानों (उड़ीसा) से, लोहा नोआमंडी और बादाम पहाड़ से तथा पानी स्वर्णरेखा एवं खारकोई नदियों से प्राप्त होता है।

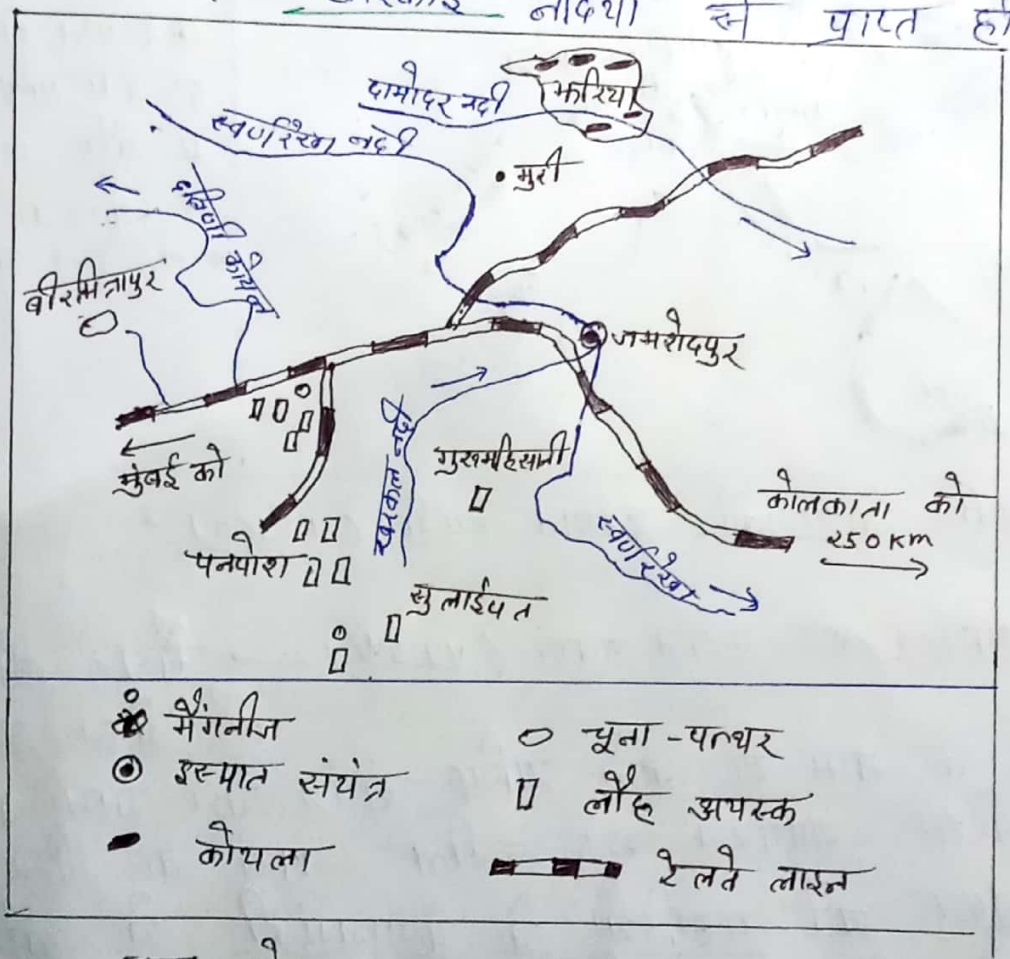

टाटा लोहा-इस्पात कारखाना (TISCO)

भारतीय लोहा और इस्पात कंपनी (IISCO) → भारतीय लोहा-इस्पात कंपनी ने अपना पहला कारखाना हीरापुर में और दूसरा कुल्टी में स्थापित किया। 1937 में IISCO के सहयोग से बंगाल स्टील कार्पोरेशन की स्थापना की गई। बर्नपुर (प० बंगाल) में लोहा और इस्पात की दूसरी इकाई की स्थापना हुई। IISCO के अधिकार क्षेत्र में आने वाले तीनों संयंत्र दामोदर घाटी कोयला क्षेत्रों (रानीगंज, झरिया और रामगढ़) के समीप कोलकाता - आसनसोल रेलमार्ग पर स्थित हैं। लौह-अयस्क सिंहभूम से (झारखंड), जल दामोदर नदी की सहायक बराकर नदी से प्राप्त होता है। 1972-73 में भारतीय IISCO द्वारा इस्पात उत्पादन बहुत कम हो गया था और सरकार द्वारा इसे कब्जे में कर लिया गया।

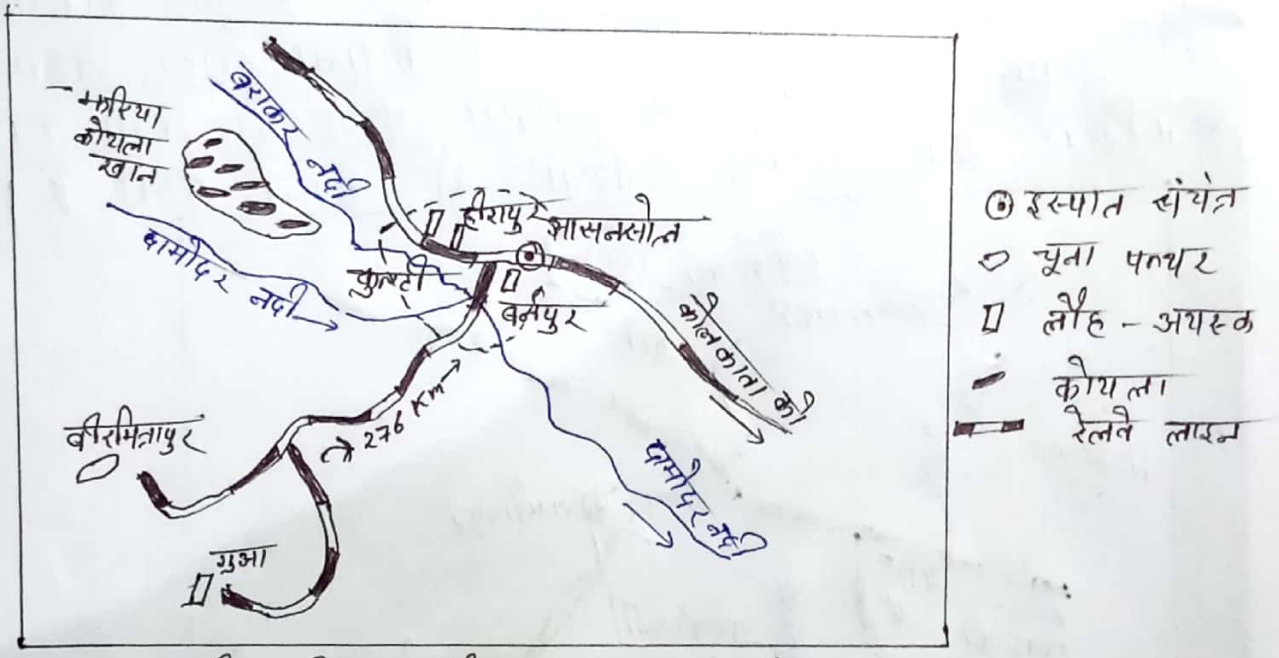

भारतीय लोहा और इस्पात कंपनी (IISCO)

विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील वर्क्स (VISW) → मैसूर लोहा और इस्पात वर्क्स के नाम से प्रसिद्ध संयंत्र का नाम बदल कर विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील वर्क्स कर दिया गया। यह बाबाबूदन की पहाड़ियों के कैमानगुंडी के लौह-अयस्क क्षेत्रों के निकट स्थित है। चूना-पत्थर एवं

Scanned by CamScanner

मैंगनीज की निकट के क्षेत्रों में उपलब्ध है। लेकिन इस प्रदेश में कोयला नहीं मिलता। शुरुआत में पास के जंगलों से प्राप्त लकड़ी को जलाकर बनाए गए चारकोल को 1951 तक ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता था। बाद में विद्युत भट्टियाँ भी लगाई गई, इन भट्टियों में जल विद्युत परियोजना से प्राप्त जल विद्युत का उपयोग होता था। इस संयंत्र को जल भद्रावती नदी से प्राप्त होता है। यह संयंत्र विशेष प्रकार के इस्पात एवं एलॉय का (मिश्रधातु) का उत्पादन करता है।

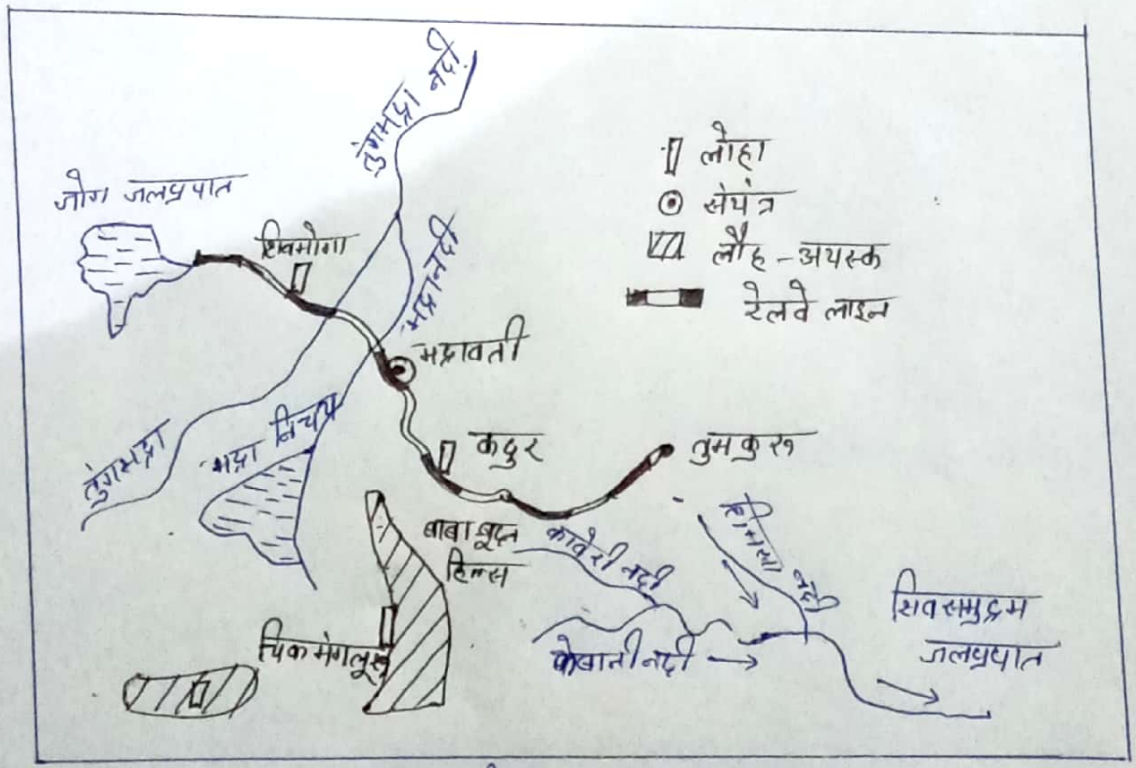

विश्वेश्वरैया इस्पात संयंत्र

Scanned by CamScanner